

संपादकीय

भारत से रिश्तों में खटास बढ़ने का अंदेशा

मालदीव में हुए चुनाव में मोहम्मद मोइज्जू के दल ने 71 सीटों पर जीत हासिल की है। राष्ट्रपति मोइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने बीसवीं पीपुल्स मजलिस यानी संसद में कुल 93 में से 68 सीटें जीतीं।

इसके गठबंधन साझेदारों मालदीव नेशनल पार्टी व मालदीव डेवलपमेंट एलायंस ने क्रमशः एक व दो सीट जीतीं। जो संसद के दो तिहाई बहुमत से अधिक है।

पिछले साल चुनाव जीतने के बाद यह चुनाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा की तरह देखा जा रहा था। मुइज्जू की प्रचंड कही जा रही यह जीत चीन समर्थक व भारत विरोधी नीतियों के तौर पर देखी जा रही है।

मौजूदा मजलिस में पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलीह को भारत समर्थक माना जाता है। अब तक बहुमत में रहे उनके दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने पिछले दिनों मुइज्जू सरकार के मंत्रियों की नियुक्ति रोक दी थी।

ताजा चुनाव में उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ा। मालदीव की आर्थिक स्थिति बेहद चिंतनीय है। उस पर पहले ही भारी कर्ज है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष चलावनी भी दे चुका है।

मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद भारत से रिश्तों में आई खटास बढ़ने का अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है। कहा जा रहा है भारतीय सैनिकों की वापसी के फैसले के कारण ही उन पर मतदाताओं का भरोसा बढ़ा है।

चीन इसका लाभ उठाने की संभावनाओं की तलाश में पहले ही है। वह करोड़ों डॉलर कर्ज दे चुका है। चीन के निमंत्रण पर वहां दौरा कर मुइज्जू भारत को स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। वे यूएई व तुर्की भी गए पर भारत नहीं आए, जबकि इससे पहले अब तक वहां के राष्ट्रपति यहां आते रहे हैं। हम छोटे देश हैं, उसका मतलब यह नहीं कि हमें धौंस दिखाने का अधिकार है, मुइज्जू ने यह बयान भारत का नाम लिये बगैर दिया था।

वर्ल्ड उन्होंने अपनी रैली में साफतौर पर कहा कि चीन उन्हें नॉन लीथल हथियार मुफ्त देने को राजी है। इससे पहले ही चीन के साथ मालदीव सरकार के सैन्य समझौतों को लेकर भारत की चिंताएं बढ़ चुकी हैं।

भारतीय पर्यटकों की पसंदीदा जगह होने के साथ ही मालदीव हम पर छाह व निर्माण सामग्री के लिए निर्भर होने के चलते रिश्तों को इतना बिगाड़ने से पहले सोचेंगे जरूर। चीन से नजदीकी व लाभ के बावजूद दोनों देशों को शांतिपूर्ण संबंधों के भ्रमसक प्रयास करने चाहिए। जो विश्व शांति व भाईचारे के लिहाज से भी समय की मांग है।

पतंजलि के 14 उत्पादों के लाइसेंस निलंबित, उत्तराखंड सरकार ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद उत्तराखंड सरकार ने दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सरकार ने एक हलफनामा दाखिल कर शीर्ष अदालत के समक्ष कहा है कि उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने 15 अप्रैल को निलंबन संबंधी आदेश जारी किया। यह हलफनामा प्राधिकरण की ओर से इसके संयुक्त निदेशक मिथिलेश कुमार ने दायर किया है।



राज्य सरकार ने जिन उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है, उनमें 'स्वसारि गोल्ड', 'स्वसारि वटी', 'ब्रॉकोम', 'स्वसारि प्रवाही', 'स्वसारि अवलेह', 'मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर', 'लिपिडोम', 'बीपी प्रिंट', 'मधुप्रिंट', 'मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर', 'लिंवमूत एडवॉंस', 'लिबोप्रिंट', 'आईप्रिंट गोल्ड' और 'पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप' शामिल हैं।

संयुक्त निदेशक ने अदालत के आदेशों का अनजाने में अनुपालन नहीं करने के लिए बिना शर्त माफी मांगी है। इसके साथ ही अदालत को आश्वासन दिया है कि वह (प्राधिकरण) जानबूझकर कोई ऐसा कार्य नहीं करेगा, जो शीर्ष अदालत के किसी भी आदेश की अवज्ञा करेगा या इसकी महिमा को कमजोर करेगा। 'संयुक्त निदेशक' ने शीर्ष अदालत से यह कहा, 'वह स्थिति और मामले की गंभीरता से पूरी तरह अवगत हैं। उन्होंने हमेशा अपनी सर्वोत्तम क्षमता और कानून के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास किया है। उत्तराखंड सरकार ने अदालत को यह भी कहा कि वह दिव्य फार्मेसी या पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ कानून में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार या इस शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार सभी उचित या आगे के कदम उठाना जारी रखेगी।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ (शीर्ष अदालत की) 30 अप्रैल को सरकार के हलफनामे में विचार करेगी। उच्चतम न्यायालय ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की 2022 की एक याचिका से संबंधित अदालती अवमानना के मामले की सुनवाई करते हुए उत्तराखंड सरकार से जवाब तलब किया था उसे इस संबंध में एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। आईएमए ने अपनी याचिका में पतंजलि आयुर्वेद और कोविड टीकाकरण अभियान और चिकित्सा की आधुनिक प्रणालियों (एलोपैथ) को बदनाम करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में अदालत की अवमानना करने पर पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक योग गुरु स्वामी रामदेव और कंपनी के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण अदालत से बिना शर्त माफी मांग चुके हैं। कंपनी की ओर से विभिन्न अखबारों में भी विज्ञापन जारी कर माफी मांगी गई थी।

बैंकों के मजबूत चौथी तिमाही नतीजों से निफ्टी में आया उछाल

मुंबई | निफ्टी 223 अंकों की बढ़त के साथ दिन के उच्चतम स्तर 22,643 पर बंद हुआ। बैंकिंग, वित्तीय और तेल एवं गैस शेयरों में खरीदारी के साथ अधिकांश सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार अमेरिकी फेड बैठक और वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़ों से संकेत लेंगे। खेमका ने कहा, महीने की शुरुआत में 1,000 अंकों की गिरावट के बाद बैंक निफ्टी ने अच्छी बढ़त बनाई है। अब यह नई ऊंचाई बनाने से महज 133 अंक दूर है।

ऋण पर अतिरिक्त ब्याज नहीं वसूल पाएंगे बैंक, आरबीआई ने बैंकों को दिया सख्त निर्देश

मुंबई | भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और एनबीएफसी को निर्देश दिया कि वे ग्राहकों से वसूल जाने वाले ब्याज के मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी हों। आरबीआई ने बैंकों से अपने कार्यों की समीक्षा करने को कहा गया। आरबीआई ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां ऋण पर तय सीमा से अधिक ब्याज लिया गया। आरबीआई ने अपने संकुलर में बताया है कि 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए विनियमित के लिए सभी विनियमित संस्थाओं को निर्देश दिया जाता है कि वे ऋण वितरण के तरीके, ब्याज के आवेदन और अन्य शर्तों के संबंध में अपनी प्रथाओं की समीक्षा करें और सिस्टम स्तर पर बदलाव सहित सुधारात्मक कार्रवाई करें। आरबीआई द्वारा देखा गई कुछ अनुचित प्रथाएं इस प्रकार हैं: * ऋण की मंजूरी की तारीख या ऋण समझौते के निष्पादन की तारीख से ब्याज लगाना, न कि ग्राहक को धनराशि के वास्तविक वितरण की तारीख से। इसी प्रकार, बैंक द्वारा वितरित ऋण के मामले में, ऐसे उदाहरण देखे गए, जहां बैंक की तारीख से ब्याज लिया गया, जबकि चेक कई दिनों बाद ग्राहक को सौंपा गया। * महीने के दौरान ऋण के वितरण या पुनर्भूतगान के मामले में, कुछ बैंक केवल उस अवधि के लिए ब्याज नहीं ले रहे थे, जिसके लिए ऋण बकाया था। * कुछ मामलों में, यह देखा गया कि बैंक एक या अधिक किस्तें पहले ही वसूल कर रहे थे, लेकिन ब्याज वसूलने के लिए ऋण की पूरी राशि की गणना कर रहे थे।

आईपीएल 2024 : फिल्ट के पचासे की मदद से कोलकाता ने दिल्ली को 7 विकेट से हराया

कोलकाता | यहां के इंडन गार्डेन्स में सोमवार को खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 47वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाजों ने अपना दबदा कायम रखा और फिल्ट साल्ट ने 33 गेंदों में 68 रनों की पारी खेलकर 79 रनों की शुरुआती साझेदारी की, जिससे उन्हें दिल्ली कैपिटल्स पर सात विकेट से जीत मिली। साल्ट और सुनील नेरन ने पावर-प्ले को बिना किसी नुकसान के 79 रन पर समाप्त किया। लिज्जाद विलियम्स का पहला ओवर 23 रन पर गया, जिसमें फिल्ट साल्ट ने सबसे ज्यादा नुकसान किया। इससे पहले नेरन ने आखिरी गेंद पर चौका लगाया। लिज्जाद के घावों पर तब और नमक छिड़का गया, जब उन्होंने दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर इंग्लिश बल्लेबाज का विकेट गिरा दिया। खलील अहमद की गेंद हवा में काफी ऊपर चली गई, जिससे रिवर्स-कप फिनिश में गडबड़ी हुई, क्योंकि गेंद उनके हाथों से टकराकर उनकी छाती पर जा लगी। कैपिटल्स के तेज गेंदबाजों के लिए धीमी



गेंदों ने सतह पर पकड़ बनाई, लेकिन उन्होंने इसका बहुत अच्छी तरह से उपयोग नहीं किया, जिससे दोनों बल्लेबाजों को कई मौकों पर गैदों ने सतह पर पकड़ बनाई, लेकिन उन्होंने इसका बहुत अच्छी तरह से उपयोग नहीं किया, जिससे दोनों बल्लेबाजों को कई मौकों पर

गई पहली गेंद पर नेरन ने टर्न के साथ बड़े हिट की तलाश की और 15 रन पर डीप मिडविकेट आउट कर दिया। अगले ही ओवर में अक्षर ने 68 के स्कोर पर साल्ट का ऑफ स्टंप गिरा दिया, क्योंकि बल्लेबाजों की नई जोड़ी श्रेयस अय्यर और रिंकू सिंह बीच में आ गए। रिंकू सिंह, जिन्हें लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला, रन-अप गेंद पर 11 रन बनाकर आउट हो गए। श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर ने बोर्ड पर टिक करना जारी रखा और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 57 रन जोड़े, जो कि मेहमान टीम को सात विकेट से हराने के लिए काफी था।

ऑपरेशन ट्राइडेंट का ऐलान, 1971 के इंडो-पाक वॉर पर रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर बना रहे फिल्म

भारत और पाकिस्तान का मुद्दा हमेशा गरमा-गरम रहता है। लोग देखने को बोर नहीं जानना चाहते हैं, इच्छा करते हैं और समझना चाहते हैं। शायद इसी वजह से भारतीय सिनेमा के अलग-अलग जोनर की फिल्मों इस मुद्दे पर फिल्मावती हैं। हिंदी सिनेमा में तो इस मुद्दे पर तमाम फिल्में बनी हैं। अब एक और फिल्म आ रही है जो इसी मुद्दे पर बनी है और फिल्म का नाम ऑपरेशन ट्राइडेंट है। इस फिल्म की कहानी 1971

पीढियों को भी प्रेरित करेगी। दिल्ली के नौसेना भवन से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक्सेल मूवीज के इंस्टाग्राम पेज पर बताया गया है। इसमें कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें लिखा है कि एक्सेल और सनशाइन डिजिटल मीडिया प्रस्तुत करते हैं ऑपरेशन ट्राइडेंट इसमें 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान के उस वॉर को दिखाया जाएगा जिसे भारतीय नेवी ने जीता था।

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी का नया गाना आजादी हुआ रिलीज; आजादी के लिए लड़ती दिखीं तवायफें

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी: ड डायमंड बाजार रिलीज के नजदीक पहुंच गई है। सुकच अपनी सीरीज के साथ ऑडियंस को एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। अब तक हीरामंडी के दो गाने तिलस्मी बाहें और सकल बन जारी किए जा चुके हैं। अब सीरीज का तीसरा गाना आजादी भी रिलीज कर दिया गया है, जिसमें हीरामंडी की तवायफें अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए नजर आ रही हैं। संजय लीला भंसाली भव्य फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 43

बाएँ से दायें तबाही, बर्बादी 17. कल्ल, वध दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, 1. जीत, फतेह 3. राशन सामान 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. भगवान 9. मनुष्य, इंसान, बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता मुर्गा की जाति की एक पक्षी, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. करना, बात तय करना 12. आधा... आधा बटोर 7. कमल, लाडला, प्यारा 25. सीताजी, कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. पंकज, भारत के एक दिवंगत जनकनंदनी। अधीनता, मातहत, अधिकार प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का ऊपर से नीचे 15. नगर 16. गैरजल्दगी 20. स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, 1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, दृष्टान्त, सुपुदंगी, उदाहरण 22. स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 042 का हल

अं	त	म	री	ज			
ग	ह	न	ता	ब	र	ब	स
की	धि	क्का	र	र	मा		
से	ही	का	द	वा	खा	ना	
प	त	वा	र	स्त	र		
ह					दा	मि	नी
ना	ए	ह	ति	या	त	लां	
वा	च	क	हा	खू	ब		
ता	ब	डू	तो	डू	र		

भारतीय ईवी कंपनी ब्लूस्मार्ट ने वार्षिक रन रेट 500 करोड़ रुपए को किया पार

नई दिल्ली | घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी ब्लूस्मार्ट ने बताया कि उसने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में 102 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वार्षिक रन रेट (एआरआर) 500 करोड़ रुपये को पार कर लिया है। एक बयान में कहा गया है कि कंपनी के सकल व्यापार मूल्य (जीबीवी) ने तीन वर्षों में 300 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) प्रदान की है। ब्लूस्मार्ट के सह-संस्थापक अनमोल सिंह जग्गी ने कहा, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, पूरी तरह से एकीकृत ऊर्जा-बुनियादी ढांचा, गतिशीलता और प्रौद्योगिकी के व्यवसाय बनाने की हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है। उन्होंने कहा, हम टिकाऊ गतिशीलता समाधानों की मांग में वृद्धि देख रहे हैं, जो एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य के विकास को मजबूत कर रहा है। ब्लूस्मार्ट ने कहा कि उसके पास दक्षिण एशिया में 7,300 से अधिक ईवी का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसमें 460 मिलियन स्वचालित किलोमीटर की दूरी तय की है और 34 मिलियन किलोग्राम कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन बचाया है। ब्लूस्मार्ट चार्जिंग नेटवर्क भी कई गुना बढ़ गया है और दिल्ली-एनसीआर और बंगलुरु के प्रमुख स्थानों तक फैल गया है। इस साल की शुरुआत में, ब्लूस्मार्ट 100 प्रतिशत उत्सर्जन-मुक्त स्थिति हासिल करने वाली भारत की पहला कंपनी बन गई है। कंपनी का लक्ष्य 2024 के अंत तक अपने बेड़े में 10 हजार ईवी वाहन शामिल करने का है।



आम, तरबूज और खरबूजा क्या फ्रिज में रखना सही होता है ?

ताजे फल और सब्जियां सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं। इन्हें डाइजैस्ट करना भी काफी आसान होता है लेकिन गर्मियों में लोग इन चीजों को फ्रिज में स्टोर करते उन्हें लगता है कि बाहर फल या सब्जियां खराब हो सकती हैं, उन्हें फ्रिज में रखकर लंबे समय तक बचाया जा सकता है। अगर आपको भी ऐसे गलतफहलमी है तो बता दें कि कुछ फल ऐसे हैं, जिन्हें फ्रिज में रखने से वे टॉक्सिस बन जाते हैं और सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले फल आम, तरबूज और खरबूजे को फ्रिज में रखना चाहिए या नहीं... क्या फ्रिज में रखना चाहिए आम, तरबूज-खरबूजा गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा खाए जाने वाले फलों में आम, खरबूज और तरबूज का नाम आता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन दोनों ही फलों को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, इन्हें फ्रिज के बाहर ही रखना अच्छा होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कम तापमान पर इनके खराब होने के चांसेस सबसे ज्यादा रहते हैं। आम और तरबूज-खरबूजे को तो काटकर कभी गलती से भी फ्रिज में स्टोर नहीं करने चाहिए। आम, तरबूज-खरबूजे को फ्रिज में रखने से क्या होगा एक्सपर्ट्स का कहना है तरबूज विशेष तौर से एथिलीन को लेकर संवेदनशील होता है। यह एक हार्मोन होता है, जो फलों-सब्जियों के पकने पर निकलता है। इस हार्मोन से दूसरे फल या सब्जियों की क्वालिटी भी खराब हो सकती है। इसलिए इन्हें फ्रिज से दूर ही रखना चाहिए। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की रिपोर्ट के अनुसार, आम, तरबूज और खरबूजे जैसे फलों को रूम टेंपरेचर पर ही रखना चाहिए, इससे इनमें पाए जाने वाले एंटी ऑक्सीडेंट्स शरीर को भरपूर तौर पर मिल सकते हैं। स्वाद खराब होने का भी खतरा गर्मी के मौसम में लोग आम, खरबूज या तरबूज बाजार से लाते हैं और उन्हें धोकर फ्रिज में रख देते हैं। ऐसा करने से उनका स्वाद खराब हो सकता है। इन फलों को अगर थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख भी रहे हैं तो कभी भी खाकर हाने के चांसेस सबसे ज्यादा रहते हैं। आम और तरबूज-खरबूजे को तो काटकर

सू-दोकू- 43

	7		1		3
1	9			5	
		3			1
	5				3
3			2		5
	4				
7	8		1		6
		6			
	6		7		9
		7		9	

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएँ से दायें और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालर और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.042 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6